मध्य प्रदेश में नीमच स्थित सीमेंट कारखाने द्वारा छोड़ी जाने वाली धूल का बुरा प्रभाव

*329. **श्री फूल चन्द वर्मा:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश में नीमच के निकट नया गांव में भारतीय सीमेन्ट निगम द्वारा संचालित सीमेन्ट कारखानों में अब इस महीने से नियमित उत्पादन आरम्भ हो गया है;

(ख) क्या उक्त कारखाने की चिमनी से भारी मात्रा में सीमेन्ट और पत्थर की धूल निकलती है जिसके परिणामस्वरूप वहां खेती पर बुरा प्रभाव पड़ता है तथा सैंकड़ों एकड़ भूमि में फसलों पर धूल की परतें जम गई हैं;

(ग) क्या उक्त क्षेत्र के किसानों ने अगस्त, सितम्बर और अक्तूबर में केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकारियों को ज्ञापन दिये हैं तथा वे संबंधित प्राधिकारियों से भी मिले हैं परन्तु इसकी रोकथाम के लिये कोई कार्यवाही नहीं की गई है;

(घ) क्या यह भी सच है कि इससे वहां की खेती पूरी तरह से नष्ट हो जायेगी तथा उससे किसानों को लाखों रुपये की हानि होगी; और

(ङ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Cement factory at Nayagaon of Cement Corporation of India commenced commercial production of cement in October, 1980.

(b) There is process dust emission from the Chimney of the factory and as such there may be some dust fall in the area near the factory.

(c) to (e). A representation on the subject from the President, Sangharsh Samiti, Kesarpura has been received. The Corporation has already installed Electrostatic Precipitators which is the latest technology for arresting dust emission. With the commissioning of the equipment, it is expected that the dust emission will get considerably reduced.

श्री फूल चन्द वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मन्त्रीजी ने यह तो स्वीकार किया है कि सीमेन्ट मिल की चिमनी से पत्थर और सीमेन्ट उड़कर आसपास खेतों में जमा हो रही है। मन्त्री महोदय को शायद पूरी जानकारी नहीं है कि उसके आस-पास सैंकड़ों एकड़ जमीन पर फसल बोई गई है और वह एक ऐसा स्थान है जहां पर काला सोना, जिसको अफीम कहते हैं, उसकी खेती होती है। उस फसल पर सीमेन्ट और पत्थर की परतें जम गई हैं जिससे सैंकड़ों एकड़ फसल खराब हो रही है। इस सम्बन्ध में आपको भी लिखा गया है लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जहां एक ओर फसल नष्ट हो रही है और दूसरी ओर लोगों के स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का बुरा असर पड़ रहा है-- इसको रोकने के लिए वे क्या प्रयास कर रहे हैं?

SHRI CHARANJIT CHANANA: The Corporation has already installed Electrostatic Precipitator. In another two or three months the whole thing will start operating. Once, it starts operating, then the pollution will go down by 95 per cent.

श्री फूल चन्द वर्मा: माननीय मन्त्री जी ने बताया कि जो यन्त्र लगाने वाले हैं उससे 95 प्रतिशत प्रदूषण कम हो जायेगा, इसके लिए उनको धन्यवाद लेकिन मेरा निवेदन है कि जो खड़ी फसल है काश्तकारों की उसका जो नुकसान हो गया है, उनकी पूरी फसल चौपट हो गई है, क्या सरकार उसका मुआविजा देने के बारे में विचार कर रही है?

SHRI CHARANJIT CHANANA: The cement factory, in fact, has been set up in the interest of the people of that area. This process is there only at the time of setting up the plant. It is only at the beginning, at the gestation period. I do not think, much damage will be done to the crop.

श्री फूल चन्द वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैंने स्पेसिफिक प्रश्न किया था कि क्या आप काश्तकारों को मुआविजा देंगे अथवा नहीं इसका उत्तर मन्त्रीजी ने नहीं दिया है।

अध्यक्ष महोदय: उन्होंने जवाब तो दे दिया है ।

श्री फूल चन्द वर्मा: गोल-मोल जवाब दिया है ।

अध्यक्ष महोदय: जवाब गोल-मोल भी होता है ।

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर: मैं माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि वेनोडियन धातु जो है जोकि भारी मात्रा में फासिल है वह फसल पर आ जाती है--इसके सम्बन्ध में भी क्या आपको कोई जानकारी है? यदि हां, तो उसको रोकने के लिए आप कोई उपाय कर रहे हैं?

SHRI CHARANJIT CHANANA: After January when this instrument starts operating in the factory, then there will be no pollution at all. When 95 per cent of the pollution is eliminated then the question of this thing going and damaging the crop will not arise at all.

श्री मूलचन्द डागा: मैं यह जानना चाहता हूं कि जो भी ऐसे उद्योग लगाए जाते हैं जिनके कारण प्रदूषण पैदा होता है--जल प्रदूषण या वायु प्रदूषण--उनको लगाने से पहले ही एन्टी पोल्यूशन प्लान्ट क्यों नहीं लगाए जाते हैं ताकि प्रदूषण पैदा ही न हो? यह कानून बना हुआ है कि इण्डस्ट्री लगने से पहले प्रदूषण की रोक थाम का इन्तजाम किया जाए ।

अध्यक्ष महोदय : यह एक अच्छा सजेस्चन है ।

Estimated Rise in Educated unemployed by 1983

+

*330. SHRI RAM VILAS PASWAN:
SHRI S. B. SIDNAL:

Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) the estimated rise in the figure of educated unemployed by 1983; and

(b) the steps contemplated by Government to provide employment opportunities during the Sixth Plan period to tackle the unemployment problem in the country?

THE MINISTER OF PLANNING AND LABOUR (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): (a) The draft plan 1978-83 prepared by the Planning Commission estimated that the number of educated unemployed would rise by 6.89 lakhs between 1978—83. However, these estimates are under revision.

(b) One of the objectives of the draft Sixth Plan (1980—85) is to achieve a progressive reduction in the incidence of poverty and unemployment. The new Plan is still under formulation.

श्री राम विलास पासवान: अध्यक्ष महोदय हम यह सोच रहे थे कि मंत्री महोदय ने जो लिखित रूप से जवाब दिया है उस में कुछ मिसप्रिंट हो गया है लेकिन उनके पढ़ने पर भी हम ने वही बात सुनी । **(व्यवधान)**

श्री नारायण दत्त तिवारी: बेरोजगारों की संख्या 6.89 लाख बढ़ जाएगी ।

श्री राम विलास पासवान: अच्छा, सर्वप्रथम, जहां तक मेरी जानकारी है ये जो आंकड़े आप उपलब्ध कराते हैं वे आप रोजगार दफतरों से कर के करते हैं जिनकी कि कोई विश्वसनीयता नहीं है । रोजगार दफतरों में गांवों के लोग प्राय: अपना नाम दर्ज ही नहीं करवाते हैं । इसलिए इस से आप हमेशा धोखा खायेंगे ।

मैं आप से पूछना चाहता हूं कि अभी शिक्षित बेरोजगारों की संख्या कितनी है और आपने जो छठी पंचवर्षीय योजना बनायी है उसमें कितने शिक्षित बेरोजगार लोगों को रोजगार देने की आपने योजना बनायी है? उन में से कितनों को आप टेक्निकल में और कितनों को नान-टेक्निकल में एबजोर्ब करेंगे?

जब तक आप संख्या नहीं बतलायेंगे तब तक यह हम लोगों के शब्दों में अस्पष्ट और अध्यक्ष महोदय इनके शब्दों में स्पष्ट बात होगी ।

श्री नारायण दत्त तिवारी: श्रीमान्, मैं स्पष्टवादिता का बड़ा आदर करता हूं । मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जो आंकड़े मैंने विनम्रता पूर्वक प्रस्तुत किये हैं वे आंकड़े एम्पलाएमेंट एक्सचेंजों या रोजगार दफतरों